हरित क्रांति

कोदो-कुटकी की खेती से मवई बनेगा आत्मनिर्भर, सरकारी समर्थन नहीं मिलने से सिमट रही परंपरागत फसलें, परंपरागत खेती से खुलेगा रोजगार का द्वार

शुगर फ्री चावल से मवई में दस्तक देगी स्वस्थ हरित क्रांति, युवाओं को मिल सकता है रोजगार का अवसर

मंडला/मवई 24 सितंबर नभाप्र. आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला का वनांचल विकासखंड मवई अपनी परंपरागत खेती और प्रचुर जैविक संसाधनों के बल पर देश को एक नई दिशा देने की क्षमता रखता है। जंगलों से सटे इस आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में पीढ़ियों से कोदो, कुटकी, ज्वार, मक्का और विभिन्न देसी सब्जियों की खेती होती आ रही है, जो अब स्वस्थ हरित क्रांति का आधार बन सकती है।

मवई के आदिवासी किसान लंबे समय से प्राकृतिक और जैविक तरीकों से खेती कर रहे हैं। यहाँ उगने वाला कोदो और कुटकी अपने औषधीय गुणों के कारण शुगर फ्री चावल के रूप में प्रसिद्ध है। यह अनाज डायबिटीज और हृदय रोग से जूझ रही आधुनिक दुनिया के लिए वरदान साबित हो सकता है। इसके अलावा जंगल की तराई में पैदा होने वाली बरबटी, लौकी, भिंडी और कद्दू जैसी सब्जियां भी स्वाद और पोषण में अद्वितीय हैं। जिले के बड़े सरकारी आयोजनों और वीआईपी आगमन पर इन पौष्टिक कोदो-कुटकी से बने व्यंजनों को परोसना यहाँ की समृद्ध परंपरा का हिस्सा है।

वर्तमान में लघु उद्योग इकाइयों के माध्यम से कोदो-कुटकी का आटा, पापड़, नमकीन और अन्य उत्पाद भोपाल, दिल्ली सहित देश के बड़े शहरों तक भेजे जा रहे हैं। इस पहल से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। बावजूद इसके परंपरागत खेती का रकबा लगातार घट रहा है। किसानों का कहना है कि सरकारी योजनाओं की कमी, इन फसलों के लिए समर्थन मूल्य का अभाव और पर्याप्त प्रशिक्षण न मिलना इस दिशा में सबसे बड़ी बाधा है। किसानों का तर्क है कि केवल सम्मान निधि देकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती।

छत्तीसगढ़ मॉडल से प्रेरणा

पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ ने इस दिशा में एक सफल मॉडल पेश किया है। वहाँ की सरकार ने कोदो-कुटकी के लिए विशेष योजनाएं लागू की हैं। वहाँ न केवल इन फसलों को समर्थन मूल्य पर खरीदा जा रहा है, बल्कि प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा देकर किसानों की आय में भारी वृद्धि की गई है। इस मॉडल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और किसान बड़े पैमाने पर उत्पादन कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यही मॉडल मवई में अपनाया जाए, तो यहाँ के युवाओं को बड़े पैमाने पर स्थायी रोजगार मिल सकता है और वनांचल मवई आत्मनिर्भर बन सकते हैं। सही पहल और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ मवई न केवल हरित क्रांति बल्कि स्वस्थ हरित क्रांति का एक शानदार उदाहरण बन सकता है। यह मुद्दा प्रदेश के मंत्रियों और नीति-निर्माताओं तक पहुँचना आवश्यक है, जिससे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों की इस पोषणयुक्त खेती को बढ़ावा मिले।

सरकारी उपेक्षा से सिमट रही पोषणयुक्त खेती

बताया गया कि मवई की परंपरागत फसलें जैसे कोदो-कुटकी, ज्वार और देशी सब्जियां, सरकारी उपेक्षा के कारण तेजी से सिमट रही हैं। किसानों की मांग है कि जब तक इन फसलों को समर्थन मूल्य पर खरीदा नहीं जाएगा, जैविक खेती को सब्सिडी नहीं मिलेगी और किसानों को योजनाओं में शामिल नहीं किया जाएगा, तब तक बदलाव संभव नहीं है।

सरही मार्ग निर्माण से प्रभावित किसान परेशान, मुख्यमंत्री तक की शिकायत बेअसर

अधिग्रहण के दो वर्ष बाद भी नहीं मिला मुआवजा

भुआ बिछिया 24 सितंबर नभाप्र. कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के सरही गेट तक राष्ट्रीय राजमार्ग-30 से जुड़ने वाले मार्ग निर्माण ने किसानों की नींद उड़ा दी है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने और सड़क निर्माण कार्य लगभग समाप्ति पर पहुंचने के बावजूद किसानों को अब तक मुआवजा नहीं मिला है। दो वर्षों से अपनी जमीन गंवा चुके किसान आज भी दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि अधिग्रहण के बाद से उन्हें आर्थिक संकट झेलना पड़ रहा है। कई किसानों ने अपनी बाउंड्री वॉल, मेढ़ और फेंसिंग हटाई है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। मुआवजे के लिए जब वे संबंधित विभागों में संपर्क करते हैं, तो मंडला भू-अर्जन कार्यालय भेज दिया जाता है। वहां जाकर भी उन्हें छह महीने और प्रतीक्षा करने की बात कही जाती है।

शिकायतों पर भी नहीं हो रही सुनवाई

मुआवजे की मांग को लेकर किसान मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, कलेक्टर मंडला, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, एसडीएम बिछिया सहित कई अधिकारियों को लिखित शिकायत कर चुके हैं। यहां तक कि 3 सितंबर 2024 को कलेक्टर जनसुनवाई में क्रमांक 17 पर शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन अब तक किसी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बड़े किसानों को मिला लाभ, छोटे वंचित

सरही ग्राम पंचायत के वरिष्ठ कृषक लल्ला यादव का कहना है कि हम छोटे किसानों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। बड़े किसानों को मुआवजा दिया जा चुका है, जबकि हम आज भी खाली हाथ हैं। कृषक राजेंद्र कुमार साहू ने कहा कि जिस तत्परता से शासन ने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की थी, उसी तरह हमें मुआवजा भी मिलना चाहिए था।

ये है प्रभावित किसान

भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में रत्नेश यादव, नीरज भट्ट, संजय ठाकुर, नंद कुमार नंदा, विष्णु तिवारी, योगेश गुप्ता, महेश गणेश उयके, ज्योत सिंह ठाकुर, लल्ला यादव, राजेंद्र कुमार साहू सहित कई किसान मुआवजे के लिए संघर्ष कर रहे हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र मुआवजा नहीं दिया गया तो वे सामूहिक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने शासन से मांग की है कि सड़क निर्माण की तरह ही मुआवजा वितरण की प्रक्रिया में भी तत्परता बरती जाए, जिससे उनकी आजीविका और परिवारों का भविष्य सुरक्षित रह सके।

हवन-पूजन के लिए रखे 4 कछुए बरामद, 10 गिरफ्तार

मंडला में पुलिस-वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 4 दुर्लभ कछुए मिले

वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

भुआ बिछिया 24 सितंबर नभाप्र. मंडला पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बिछिया दानीटोला रोड स्थित एक मकान से 4 दुर्लभ कछुओं को बचाया है। इस दौरान 10 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जो अवैध रूप से इन कछुओं को हवन-पूजन के लिए रखे हुए थे। एसडीओपी बिछिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बिछिया सहित पुलिस बल और फॉरेस्ट विभाग की टीम ने मकान में छापा मारा। तलाशी के दौरान दो थैलों से कुल 4 दुर्लभ कछुए बरामद किए गए। इस मामले में फॉरेस्ट विभाग ने वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शंभू सोनी, रामेश्वर तिवारी, सुरेंद्र बर्मन, संपत कुशवाहा, राज बर्मन, दिनेश बंजारा, मुरली बंजारा, रामकुमार इनवाती, दिनेश यादव और झल्लूलाल रजक शामिल रहे। आरोपियों को पकड़ने में थाना प्रभारी निरीक्षक भीष्म तिवारी, उप निरीक्षक प्रवीण मालवीय और अन्य पुलिस स्टाफ के साथ फॉरेस्ट विभाग से रेंजर अविनाश जैन और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बबलिया में गूंज रही शिव महापुराण और देवी पुराण की कथा

बबलिया 24 सितंबर नभाप्र. देवरीकला बबलिया में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा शिव महापुराण का भव्य आयोजन शुरू किया गया है। कथावाचक पंडित व्यास जी महाराज लक्ष्मीकांत महाकाल के मुखारविंद से शिव महिमा सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो रहे हैं और धर्म प्रेमियों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। व्यास जी महाराज ने कथा के दौरान भगवान शिव की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि सब देव हैं और बाबा महादेव हैं।

उन्होंने रुद्राक्ष की उत्पत्ति, शिवाजी कौन से लोक में निवास करते हैं और महादेव के अनेक रूपों का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि शिव महापुराण में 24 हजार श्लोक और 464 अध्याय हैं, जो शिव के विभिन्न रूपों का बखान करते हैं।

कथा के दौरान व्यास जी ने ओम की महिमा और माला के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सभी श्रोताओं को प्रतिदिन ओम नमः शिवाय का एक माला जाप करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विशेष रूप से अपील की कि सभी माता-पिता अपने बच्चों को भी प्रतिदिन एक माला जाप करने की प्रेरणा दें, जिससे उनका और स्वयं का भविष्य धन्य हो सके। कथास्थल पर सामाजिक बदलाव देखने को मिल रहा है। शिव महापुराण सुनने आने वाले श्रोताओं में महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक बढ़ रही है। व्यास जी ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि निश्चित रूप से आज 21वीं सदी की नारी शक्ति हर क्षेत्र में आगे है, चाहे वह धर्म हो या पढ़ाई-लिखाई। उन्होंने वेदों और पुराणों का संदर्भ देते हुए कहा कि सर्वप्रथम नारी को पूजनीय बताया गया है, और यह बात आज हर धर्म स्थान पर दिखाई दे रही है।

छात्रों ने किया आईटीसीई कम्प्यूटर सेंटर का औद्योगिक भ्रमण, स्वरोजगार की राह खुली

भुआबिछिया 23 सितंबर नभाप्र. शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बिछिया के सूचना प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों ने प्राचार्य अरुणा दीक्षित के मार्गदर्शन में नगर परिषद स्थित आईटीसीई कंप्यूटर सेंटर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों को आधुनिक कम्प्यूटर तकनीक और उससे जुड़े रोजगार व स्वरोजगार के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। सेंटर संचालक ने विद्यार्थियों को विभिन्न कम्प्यूटर कोर्स, डिजिटल सेवाओं और स्टार्टअप्स की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया। उन्होंने बताया कि आज के दौर में कंप्यूटर ज्ञान हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण है और सही प्रशिक्षण से छात्र खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। छात्रों ने कम्प्यूटर नेटवर्किंग, डाटा प्रोसेसिंग, प्रिंटिंग और ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे कार्यों को करीब से देखा, जिससे वे काफी उत्साहित हुए। इस अनुभव के बाद उन्होंने कम्प्यूटर शिक्षा को करियर बनाने का संकल्प लिया। प्राचार्य अरुणा दीक्षित ने कहा कि ऐसे भ्रमण छात्रों में आत्मनिर्भरता और नवाचार की सोच को बढ़ावा देते हैं।

मझगांव ग्राम पंचायत पर ताला, सीईओ ने जारी किया नोटिस

ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी, मझगांव पंचायत में अधिकारी नदारद, ग्रामीण हुए परेशान

नारायणगंज 24 सितंबर नभाप्र. ग्रामीणों की सुविधा और विकास के लिए बनाई गई ग्राम पंचायतें ही अगर बंद रहें, तो जनता अपनी समस्याओं के लिए कहाँ जाए? ऐसा ही एक मामला नारायणगंज जनपद की ग्राम पंचायत मझगांव में सामने आया है, जहां 24 सितंबर को सुबह लगभग 11 बजे पंचायत भवन में ताला लटका मिला। इस लापरवाही पर जनपद सीईओ दीप्ति यादव ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित कर्मचारियों को नोटिस जारी किया है। बताया गया कि ग्रामीणों के लिए ग्राम पंचायत में सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक और मोबलाइजर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अधिकारी और कर्मचारी तैनात होते हैं, जिससे कोई भी सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। लेकिन मझगांव में जिम्मेदार अपनी ड्यूटी से नदारद मिले। बताया गया कि जब सचिव से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनका फोन बंद था। सरपंच गंजन सिंह भारतीया ने भी फोन नहीं उठाया। ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच अक्सर उनके फोन कॉल का जवाब नहीं देते और उनकी समस्याओं को नजरअंदाज करते हैं। ग्रामीण ने कहा कि हमने उन्हें वोट देकर जिताया, लेकिन अब वे हमारी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हमें अपने छोटे-छोटे कामों के लिए भी भटकना पड़ रहा है। रोजगार सहायक पवन मरकाम ने बताया कि वे जॉब कार्डधारियों की केवाईसी अपडेट करने के लिए ग्राम भ्रमण पर हैं, इसलिए उन्हें पंचायत की स्थिति की जानकारी नहीं है।

इनका कहना है

आज कोई सरकारी अवकाश नहीं है। पंचायत का इस तरह बंद रहना गलत है। ग्राम पंचायत मझगांव के जिम्मेदार कर्मचारियों को नोटिस जारी किया जाएगा।

दीप्ति यादव, सीईओ, जनपद पंचायत नारायणगंज

पांडकला में महिला सुरक्षा पर जागरूकता, नशा मुक्ति का दिया संदेश

घुघरी 24 सितंबर नभाप्र. समाज में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ नशे की लत से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से थाना घुघरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम पांडकला में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना प्रभारी पूजा बघेल के कुशल निर्देशन में पुलिस स्टाफ द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें गांव के बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। घुघरी पुलिस टीम ने इस दौरान लोगों को विस्तार से जानकारी दी। नशा मुक्ति और मैं हूँ अभिमन्यु अभियान के अंतर्गत पुलिस कर्मियों ने ग्रामीणों को नशे के हानिकारक प्रभावों और इससे समाज व परिवार पर पड़ने वाले बुरे असर के बारे में विस्तार से समझाया। लोगों को नशे की लत से दूर रहने और एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। पुलिस ने महिलाओं को आत्मरक्षा के तरीके और कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक किया, जिससे वे किसी भी विषम परिस्थिति में स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें। घुघरी पुलिस स्टाफ का यह प्रयास गाँव में जागरूकता फैलाने और एक सुरक्षित तथा स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गाँव के लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की।

नमो मैराथन के साथ मंडला में शुरू होगा स्वच्छता उत्सव

मंडला 24 सितंबर नभाप्र. सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसी कड़ी में आज 25 सितंबर को सुबह 7 बजे नमो मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इस मैराथन की शुरुआत पुलिस लाइन ग्राउंड से होगी और इसका समापन गांधी स्टेडियम मंडला में होगा। जिला प्रशासन मंडला ने शहर के सभी नागरिकों से इस आयोजन में भाग लेने की अपील की है जिससे इसे सफल बनाया जा सके। यह आयोजन स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

रोजगार मेले में ग्रामीण युवाओं को मिला सुनहरा अवसर, 97 को ऑफर लेटर

ग्रामीण युवाओं के लिए आजीविका बनी सहारा, मिली नौकरी

मवई 24 सितंबर नभाप्र. ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को सुरक्षित और विश्वसनीय रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आजीविका मिशन कार्यालय मवई में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मवई ब्लॉक और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में शिक्षित युवा-युवतियों ने इस मेले में भाग लिया। रोजगार मेले में हैदराबाद की एक सिक्योरिटी गार्ड कंपनी के लिए चयन प्रक्रिया किया गया। इस दौरान 131 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 97 युवाओं का चयन प्रारंभिक प्रक्रिया के बाद सुनिश्चित किया गया। चयनित युवाओं को जनपद पंचायत मवई के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भागचंद टीमारिया के हाथों ऑफर लेटर प्रदान किए गए, जिससे उनके चेहरे पर खुशी और भविष्य की आशा साफ झलक रही थी। कंपनी अधिकारियों ने बताया कि चयनित युवाओं को नौकरी से पहले हैदराबाद में एक माह का अनिवार्य प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्हें सुरक्षा जवान एवं सुपरवाइजर के पदों पर स्थायी नियुक्ति दी जाएगी। इन युवाओं को प्रतिमाह 19 हजार 500 से लेकर 22 हजार 500 तक का वेतनमान दिया जाएगा। वेतन के अतिरिक्त उन्हें शासनानुसार पीएफ, भत्ता और अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं भी प्राप्त होंगी। अजीविका परियोजना ब्लॉक प्रबंधक राकेश जंघेला ने कहा कि रोजगार मेला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल के युवाओं को उनके घर के पास ही सुरक्षित और भरोसेमंद संस्थानों में रोजगार दिलाना है, जिससे पलायन रुके और उनकी आर्थिक स्थिति सुधरे। इस सफल आयोजन में अजीविका परियोजना स्टाफ, सहयोगी संस्था उद्योगिनी से संदीप श्रीवास, प्रदान संस्था से ब्लॉक समन्वयक अतुल ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि इंद्रेश साकत और सफीना खान सहित सभी सीआरपी का विशेष सहयोग रहा।

नवरात्रि में हुआ क्षेत्रीय परंपरागत नृत्य

किड्ज़ी सिविल लाइन्स में धूमधाम से मनाया गया नवरात्रि उत्सव

मंडला 24 सितंबर नभाप्र. किड्ज़ी सिविल लाइन्स मंडला में नवरात्रि का पावन पर्व बड़े उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया। विद्यालय परिसर में छोटे-छोटे बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधानों में सुसज्जित होकर माँ दुर्गा की महिमा का गुणगान किया। इस आयोजन में सीनियर केजी के नन्हें, मुन्ने बालक, बालिकाओं ने अपनी अद्भुत प्रस्तुतियों से सभी का मनमोह लिया। बच्चों ने देवी नव रूप शक्ति वंदना, माँ काली नृत्य, धुनुची नृत्य, मंगलम नृत्य, शुभ आरम्भ नृत्य के साथ अनेक मनमोहक प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध किया। बच्चों ने शिक्षिकाओं के साथ मिलकर उल्लास पूर्वक गरबा नृत्य प्रस्तुत किया। बच्चों की मासूम अदाओं और उनके उत्साह ने पूरे माहौल को जीवंत बना दिया। आयोजन में विद्यालय के नृत्य शिक्षक भव्यदीप कछवाहा, चेतना मालवानी का विशेष योगदान रहा। अभिभावकों ने भी बच्चों को विषयानुसार सुंदर परिधान पहनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की प्राचार्या शालिनी शुक्ला एवं एकेडमिक कोऑर्डिनेटर राशि पमनानी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस

मंडला के स्वास्थ्य प्रहरी फार्मासिस्ट, जो चुपचाप रच रहे हैं सेहत की कहानी

मंडला के गुमनाम नायक, जो दवा के साथ बांटते हैं उम्मीद और विश्वास

मंडला 24 सितंबर नभाप्र. अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आदिवासी संस्कृति के लिए जाना जाता है। लेकिन इस भूमि पर एक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले लोग हैं जिनके योगदान की अक्सर चर्चा नहीं होती, वे है फार्मासिस्ट। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर हम उन अनसुने नायकों को सलाम करते हैं जो जिले के दूरदराज के इलाकों से लेकर शहरी अस्पतालों तक हर जगह स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ बने हुए हैं।

मंडला जिला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है, जहाँ के लोग स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अक्सर संघर्ष करते हैं। ऐसे ही जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों में पदस्थ फार्मासिस्ट हर सुबह अपने स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचते है, जहां वे न केवल दवाएं देते हैं, बल्कि लोगों को बीमारियों से बचाव के तरीके भी बताते हैं। उनके लिए यह सिर्फ एक नौकरी नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। फार्मासिस्टों का कहना है कि यहाँ लोगों को सही जानकारी देना बहुत जरूरी है। मंडला जिला आदिवाासी बाहुल्य जिला है। जब कोई मरीज इन फार्मासिस्ट के पास पहुंचते है तो ये सिर्फ दवा नहीं देता, बल्कि उसे पूरी तरह से समझाते भी है, कि यह कैसे काम करेगी और किन सावधानियों का ध्यान रखना है। मरीजों का विश्वास ही फार्मासिस्टों के लिए सबसे बड़ी कमाई है।

मंडला नारायणगंज के मेडिकल शॉप संचालक फार्मासिस्ट दिनेश सोनी अपनी कई वर्षो की सेवा के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि यह आदिवासी जिला है, यहा पहले जानकारी का अभाव था, लेकिन आज लोग बहुत जागरूक हैं। हमारा काम अब सिर्फ दवा बेचना नहीं, बल्कि एक स्वास्थ्य सलाहकार की भूमिका निभाना भी है। जब कोई मरीज पूछता है कि डॉक्टर ने जो लिखा है, वह सही है या नहीं, तो हमें उसे सही सलाह देनी होती है। यह विश्वास का रिश्ता है जो हमने बनाया है।

हर समय बड़ी चुनौती

बताया गया कि जिला अस्पताल में पदस्थ फार्मासिस्ट दिन-रात काम करते हैं। अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ होती है और हर किसी को सही समय पर सही दवा देना एक बड़ी चुनौती है। अस्पताल में फार्मासिस्ट का काम बहुत दबाव भरा होता है। एक भी गलती किसी की जान पर भारी पड़ सकती है। फार्मासिस्टों का कहना है कि हर दवा सही मरीज तक पहुंचे, उसकी सही मात्रा में, और सही समय पर। यह काम सिर्फ दवाई देने का नहीं, बल्कि मरीज की सुरक्षा सुनिश्चित करने का है।

मंडला के गांवों में मेरा काम सिर्फ दवा देना नहीं, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। जब वे ठीक होकर मुस्कुराते हैं, तो मेरी मेहनत सफल हो जाती है।

कमलेश सिंह, फार्मासिस्ट, नारायणगंज

एक फार्मासिस्ट का काम बहुत जिम्मेदारी भरा होता है। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हर मरीज को सही दवा मिले, क्योंकि एक छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है। हम मरीज की सुरक्षा की गारंटी हैं।

शरद मेश्राम, फार्मासिस्ट,जिला चिकित्सालय मंडला

पिछले कई वर्षो में मैंने महसूस किया है कि हमारा काम सिर्फ दवा बेचना नहीं, बल्कि एक दोस्त और सलाहकार की भूमिका निभाना भी है। लोगों का हम पर भरोसा ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

दिनेश सोनी, फार्मासिस्ट, मेडिकल स्टोर संचालक

फार्मेसी का सामाजिक योगदान जन स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने में दवाईयां की पहुंच से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तक है। फार्मासिस्ट दवाओं के सही वितरण, रोगियों को परामर्श देने और बीमारियों के इलाज के लिए नई दवाओं के विकास में योगदान करना है।

शशिकांत सिंह, फार्मासिस्ट